किसानों की आमदनी की राह में रोड़ा बने नकली कीटनाशक

नई दिल्ली। देश के लगभग 150 करोड़ लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसानों की आमदनी बढ़ाने में नकली कीटनाशक (Fake pesticides) सबसे बड़ा रोड़ा बनकर उभर रहे हैं।
एक अंदाजे के मुताबिक़ देश में नकली कीटनाशकों (Fake pesticides) का कारोबार तकरीबन 50 अरब रुपये तक पहुंच चुका है। ताजा आंकड़ों के अनुसार देश में कीटनाशकों का कारोबार (pesticide business) 229.4 अरब डॉलर है और वर्ष 2028 तक 342.3 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। कीटनाशक क्षेत्र की वृद्धि दर 6.6 रहने का अनुमान लगाया गया है।

इन कीटनाशकों में ऐसे तत्वों और रसायनों का प्रयोग किया जा रहा है, जो स्वास्थ्य कारणों से भारत में प्रतिबंधित है। कृषि बाजार में नकली कीटनाशकों की बिक्री से न केवल सरकार को राजस्व की हानि उठानी पड़ रही है, बल्कि किसानों की फसलें भी खराब हो रही हैं।

पिछले साल राजस्थान और गुजरात (Rajasthan and Gujarat) में पाकिस्तान (Pakistan) की सीमा के साथ सटे इलाकों में टिड्डी दल के हमलों से फसलों को नहीं बचा पाने में नकली कीटनाशकों (Fake pesticides) की प्रमुख भूमिका रही। टिड्डी दल के हमलों से फसलों को बचाने में किसानों ने जिन कीटनाशकों का इस्तेमाल किया, वे गुणवत्तापूर्ण नहीं थे। इससे किसानों को दोहरा नुकसान उठाना पड़ा। कीटनाशक खरीदने के लिए किसानों को धन व्यय करना पड़ा और फसल भी नहीं बचा पाए।

Source: https://www.shahtimesnews.com/fake-pesticides-become-a-hindrance-to-farmers-income/